News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-304

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

जीवन में चाहे कितने भी कष्टों की थकान हो सब फीका पड़ जाता हैजब चेहरे पर मुस्कान हो..!!

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, शनिवार, 08 फरवरी 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

टीचर ने छात्रा को रात में किया व्हाट्सएप मैसेज!

तभी आ गयी गुरु जी की पत्नी, फिर...

नवादाः प्रदेश के नवादा जिले के कादिरगंज थाना क्षेत्र के आती गांव में एक व्हाट्सएप मैसेज से बवाल मच गया है। मामला इतना बढ़ते बढ़ते मारमीट में बदल गया जिसमें एक शिक्षक सहित पांच लोग बुरी तरह घायल हो गये हैं। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचित कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

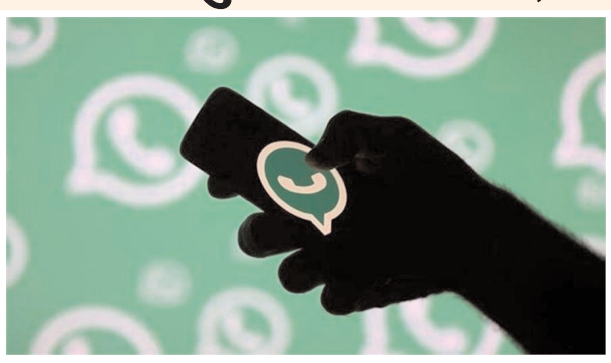

दरअसल पूरा बवाल एक मैसेज पर शुरू हुआ जो एक शिक्षक ने व्हाट्स एप के जरिए भेजा था। इस आरोप के बाद दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई।

लड़की की मां ने आरोप लगाया है कि इंटरमीडिएट की परीक्षा में उनकी बच्ची द्वारा दिए गए उत्तर के बारे में जब उन्होंने शिक्षक से बात की, तो शिक्षक ने गलत भाषा का प्रयोग । उन्होंने दावा किया कि इस घटना का सबूत उनके पास है। इसके बाद जब उन्होंने शिक्षक को मना करने की कोशिश की, तो शिक्षक ने उनके साथ मारपीट की। इस घटना में लड़की की मां जख्मी हो गई। इधर शिक्षक ने अपने पक्ष से बताया है कि रात में जब उनके पास मैसेज आया, तो उनकी पत्नी ने उसका जवाब दिया। इसके बाद मैसेज का सिलसिला बढ़ गया और गलत मैसेज आया। जब उनकी पत्नी ने विरोध किया, तो दूसरे पक्ष के लोग उनके घर पर आकर उनकी पत्नी और परिवार के साथ मारपीट की।

इधर शिक्षक ने अपने पक्ष से बताया है कि रात में जब उनके पास मैसेज आया, तो उनकी पत्नी बबीता कुमारी ने उसका जवाब दिया। इसके बाद मैसेज का सिलसिला बढ़ गया और गलत मैसेज आया। जब उनकी पत्नी ने विरोध किया, तो दूसरे पक्ष के लोग उनके घर पर आकर उनकी पत्नी और परिवार के साथ मारपीट की।

शिक्षक ने आरोप लगाया है कि उन पर और उनके परिवार के सदस्यों पर गलत आरोप लगाए गए और मारपीट की गई। आपातकालीन सेवा 112 की पुलिस ने दोनों पक्षों के जख्मी लोगों को अस्पताल पहुंचाया और उनका इलाज शुरू कराया। फिलहाल, दोनों पक्षों के लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। फिलहाल, इस पूरे मामले में न तो शिक्षक पक्ष और न ही लड़की के परिवार ने पुलिस में कोई आवेदन दिया है। दोनों पक्ष एक दूसरे पर व्हाट्सएप पर गलत मैसेज करने का आरोप लगा रहे हैं।

बिहार पुलिस ने मोस्टवांटेड अपराधी को मार गिराया

एनकाउंटर के दौरान STF के जवान को भी लगी गोली

गोपालगंज, गोपालगंज में पुलिस और अपराधियों की बीच मुठभेड़ हुई है। शुक्रवार मध्य रात्रि इनामी कुख्यात मनीष यादव को एसटीफ और बिहार पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मार गिराया है। इधर, अपराधी की लगी गोली से एक एसटीफ का जवान भी घायल हो गया है। जिसे गंभीर हालत में सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक घायल जवान की स्थिति अब खतरे से बाहर है। घटना गोपालगंज जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र के रामपुर खुर्द गांव के पास की बताई जा रही है। रामपुर खुर्द गांव में हुए इस एनकाउंटर में कुख्यात मनीष यादव मारा गया।

50 हजार रुपये का इनाम घोषित था

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कुख्यात मनीष यादव पर 50 हजार रुपये का इनाम भी घोषित था। वह कई मामलों में पुलिस को उसकी तलाश थी। पूर्व मुखिया अरविंद यादव हत्याकांड का वह नामजद आरोपी था। उस पर गोपालगंज जिले में कई हत्या के मामले दर्ज थे। मुखिया अरविंद यादव की हत्या के बाद गोपालगंज एसपी ने उस पर ?50000 का इनाम रखा था। अपराधी मनीष यादव गोपालगंज जिले के ऊंचकागाव थाना क्षेत्र के भगवान टोला गांव का निवासी था । मनीष यादव ने लूट और डकैती जैसे संगीन अपराधिक वारदात को अंजाम देने के लिए 'बाबू गैंग' के नाम से गैंग खड़ा किया है। 'बाबू गैंग' में शामिल कई सदस्यों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। पुलिस को 'बाबू गैंग' के लीडर की लंबे समय से तलाश चल रही थी। हर बार पुलिस टीम को चकमा देकर भाग जाता था। पुलिस को इस बार 'बाबू गैंग' के लीडर मनीष यादव के पहुंचने की पुख्ता जानकारी मिली, जिसके बाद इलाके में नाकेबंदी कर पुलिस ने गिरफ्तार करने की कोशिश की, लेकिन मुठभेड़ में कुख्यात मनीष यादव मारा गया।

'बाबू गैंग' के नाम से तैयार किया गैंग

मनीष यादव ने लूट और डकैती जैसे संगीन अपराधिक वारदात को अंजाम देने के लिए 'बाबू गैंग' के नाम से गैंग खड़ा किया है। 'बाबू गैंग' में शामिल कई सदस्यों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। पुलिस को 'बाबू गैंग' के लीडर की लंबे समय से तलाश चल रही थी। हर बार पुलिस टीम को चकमा देकर भाग जाता था। पुलिस को इस बार 'बाबू गैंग' के लीडर मनीष यादव के पहुंचने की पुख्ता जानकारी मिली, जिसके बाद इलाके में नाकेबंदी कर पुलिस ने गिरफ्तार करने की कोशिश की, लेकिन मुठभेड़ में कुख्यात मनीष यादव मारा गया।

क्या बदला जाएगा दरभंगा एयरपोर्ट का नाम? जदयू के दिग्गज नेता ने रख दी मांग

पटना, जदयू के राज्यसभा सदस्य संजय झा ने शुक्रवार को राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान बिहार के दरभंगा एयरपोर्ट का नाम कवि कोकिल विद्यापति हवाई अड्डा किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि कवि कोकिल विद्यापति मैथिली और संस्कृत के प्रसिद्ध कवि और साहित्यकार थे। भारतीय साहित्य में उनके योगदान को देखते हुए दरभंगा एयरपोर्ट का नाम उनके नाम पर रखा जाना चाहिए।

देश के सबसे सफल एयरपोर्ट में एक

संजय झा ने कहा कि दरभंगा एयरपोर्ट उड़ान स्कीम के तहत देश का सबसे सफल एयरपोर्ट है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना थी कि देश के छोटे शहरों में भी एयरपोर्ट का विकास किया जाए। आज बड़ी संख्या में यात्री उड़ान स्कीम के एयरपोर्ट से उड़ान भर रहे हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री ने इस बार के बजट में उड़ान स्कीम को दस साल और जारी रखते हुए इसके तहत देश के सौ और शहरों में उड़ान शुरू करने की घोषणा की। यह सराहनीय है।

2018 में बनी सहमति

संजय झा ने कहा कि वर्ष 2018 में दरभंगा एयरपोर्ट के शिलान्यास के समय केंद्रीय उड्डयन मंत्री तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बीच यह सहमति बन गई थी कि दरभंगा एयरपोर्ट का नाम कवि कोकिल विद्यापति के नाम पर होना चाहिए। इस संबंध में 22 दिसंबर 2020 को तत्कालीन केंद्रीय उड्डयन मंत्री को पत्र लिखकर अनुरोध किया था। बिहार विधानसभा और विधान परिषद ने मार्च 2021 इस बारे में प्रस्ताव भी पारित किया था।

इंटर परीक्षा की ड्यूटी करने जा रहे चौकीदार को ट्रक ने कुचला

छपरा-सीवान हाईवे पर ऐसा हुआ सड़क हादसा

सारण, सारण में बाइक सवार चौकीदार को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया। इसमें उनकी दर्दनाक मौत हो गई। वह इंटर परीक्षा की ड्यूटी करने बाइक से सेंटर पर जा रहे थे, इसी दौरान छपरा-सीवान राष्ट्रीय उच्च पथ पर कोपा थाना क्षेत्र के मुख्य बाज़ार में यह हादसा हुआ। मृतक की पहचान मांझी थाना क्षेत्र के मरहा पंचायत के आलियासपुर गांव निवासी चंद्रमा मांझी के पुत्र प्रह्लाद मांझी के रूप में हुई है। वह मांझी थाने में कार्यरत थे। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया आसपास के लोगों की भीड़ लग गई।

ड्यूटी पर जा रहे थे, हाईवे पर ट्रक की चपेट में आए

स्थानीय बाजार वासियों के द्वारा बताया गया कि अनियंत्रित अज्ञात ट्रक के चपेट में आने से चौकीदार की दर्दनाक मौत हुई है। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय कोपा थाने की पुलिस पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच में जुट गई है। इस हादसे की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गई है जिस कारण परिवार सहित गांव में हाहाकार मच गया है। पुलिस का कहना है कि प्रह्लाद मांझी की ड्यूटी परीक्षा केंद्र पर लगी थी। वह सुबह बाइक से ड्यूटी पर जा रहे थे। अचानक तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी ट्रक चालक फरार हो गया। उसकी तलाश में छापेमारी चल रही है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

प्रयागराज कुंभ मेला जाना हुआ आसान

छपरा-सिवान होकर गुजरेगी विशेष ट्रेन

छपरा, छपरा और सिवान से प्रयागराज कुंभ मेला जाने और आने वाले लोगों की संख्या अधिक देखते हुए विशेष गाड़ी चलाने का निर्णय लिया गया है. वाराणसी मंडल के रेलवे प्रशासन द्वारा प्रयागराज में चल रहे महाकुम्भ के दौरान प्रयागराज क्षेत्र से सीवान एवं छपरा की तरफ आने/जाने वाले श्रद्धालु यात्रियों की भारी संख्या को ध्यान में रखते हुये यात्री जनता की सुविधा के लिये 05101 झूसी-गाजीपुर सिटी-छपरा-थावे-सीवान-भटनी- मऊ-वाराणसी सिटी-झूसी एवं 05102 झूसी-बनारस-मऊ-भटनी-सीवान-थावे-छपरा-बलिया-गाजीपुर सिटी-वाराणसी सिटी-झूसी रिंग रेल अनारक्षित विशेष गाड़ी का संचलन 07 से 28 फरवरी, 2025 तक संचालित करने का निर्णय लिया गया है. जिस ट्रेन के माध्यम से श्रद्धालु आसानी से आवागमन कर सकते हैं.

05101 झूसी-गाजीपुर सिटी-छपरा-थावे-सीवान-भटनी-मऊ-वाराणसी सिटी-झूसी रिंग रेल अनारक्षित विशेष गाड़ी 07 से 28 फरवरी, 2025 तक झूसी से 09.00 बजे प्रस्थान कर ज्ञानपुर रोड से 10.02 बजे, माधोसिंह से 10.22 बजे, बनारस से 11.20 बजे, वाराणसी से 11.40 बजे, वाराणसी सिटी से 12.05 बजे, सारनाथ से 12.17 बजे, औड़िहार से 12.50 बजे, गाजीपुर सिटी से 13.35 बजे, युसूफपुर से 13.55 बजे, चितबड़ागांव से 14.24 बजे, बलिया से 14.55 बजे, सुरेमनपुर से 15.30 बजे, छूकर छपरा 16.30 बजे पहुंचेगी. वही छपरा कचहरी से 16.43 बजे, मढ़ौरा से 17.09 बजे, मसरख से 17.30 बजे, दिघवा दुबौली से 17.58 बजे, सिधवलिया से 18.20 बजे, रतन सराय से 18.41 बजे, गोपालगंज से 19.10 बजे, थावे से 19.40 बजे, हथुआ से 19.54 बजे, सीवान से 20.35 बजे, मैरवा से 20.54 बजे, भाटपार रानी से 21.12 बजे, भटनी से 21.39 बजे, सलेमपुर से 22.00 बजे, बेलथरा रोड से 22.23 बजे, इंदारा से 22.50 बजे, मऊ से 23.15 बजे, दुल्लहपुर से 23.38 बजे, जखनियां 23.53 बजे पहुंचेगी.

आवेदन शुरू; हर महीने मिलेंगे इतने रुपये

बिहार में यूपीएससी और बीपीएससी की फ्री कोचिंग

पटना, बिहार के युवाओं के लिए अच्छी खबर है, जो उम्मीदवार यूपीएससी और बीपीएससी परीक्षा की तैयारी करना चाहते हैं। लेकिन, आर्थिक तंगी के कारण अपने सपनों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। वो इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए अभ्यर्थियों को आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन करने होगा।

इस योजना के तहत छात्रों को मासिक आर्थिक सहायता और अन्य सुविधाएं भी दी। कोचिंग क्लास में भाग लेने वाले स्थानीय छात्रों को प्रति छात्र 1500 रुपये का मासिक वजीफा दिया जाएगा, जबकि बाहरी छात्रों को 3000 रुपये का मासिक वजीफा दिया जाएगा। वजीफा कोर्स की अवधि तक या एक वर्ष के लिए, जो भी कम हो, दिया जाएगा। प्रत्येक छात्र को वजीफा सीधे मंत्रालय द्वारा डीबीटी के माध्यम से दिया जाएगा।

कौन कर सकता है आवेदन?

इस योजना का लाभ केवल वही उम्मीदवार उठा सकते हैं, जो बिहार राज्य का स्थायी निवासी है और आवेदक पिछड़ा वर्ग या अति पिछड़ा वर्ग का सदस्य होना चाहिए। इसके अलावा, उनके माता-पिता की वार्षिक आय 3,00,000 रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए और अभ्यर्थियों के पास संबंधित परीक्षा की तैयारी के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता होनी चाहिए।

परीक्षा तिथि

इसके लिए प्रवेश परीक्षा की संभावित तिथि 16 फरवरी 2025 है। फ्री यूपीएससी कोचिंग के लिए 40 प्रतिशत सीटे पिछड़े वर्गों के लिए और 60 प्रतिशत सीटें अत्यंत पिछड़े वर्गों के लिए अनुमानित हैं। कुल चयनित छात्रों में से 40% छात्रों को कक्षा 12वीं की पात्रता वाली प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए चुना जाएगा, जबकि शेष 60% छात्रों को स्नातक की पात्रता वाली प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए चुना जाएगा।

योजना का उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य डीएनटी उम्मीदवारों को अच्छी कोचिंग गुणवत्ता प्रदान करना है ताकि वे प्रतियोगी परीक्षाओं में उपस्थित हो सकें और सार्वजनिक/निजी क्षेत्र में उपयुक्त नौकरी प्राप्त करने में सफल हो सकें।